(c) All efforts are made to obtain final decision on the clearance of the project proposals within a stipulated time period of 90 days and communicated to the proponent within 30 days thereafter from the date of receipt of complete information and other relevant details asked for from the project proponent.

कृषि विज्ञान केन्द्र

1409. **श्री राम जेठमलानी:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में कृषि-विज्ञान केन्द्रों की स्थापना की गई है;

(ख) यदि हां, तो इन केन्द्रों का मुख्य उद्देश्य क्या है तथा ऐसे केन्द्रों की कुल संख्या कितनी है एवं उनमें कितने कर्मचारी कार्यरत हैं;

(ग) क्या इन केन्द्रों के कार्य-करण से संबंधित रिपोर्ट समय-समय पर प्राप्त की गई है;

(घ) यदि हां, तो कितने केन्द्रों का कार्य संतोषप्रद पाया गया है; और

(ङ) उनके कार्यकरण से कृषि क्षेत्र को हुए लाभ का ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र): (क) जी, हां। देश में फार्म सांइस सेंटर (कृषि विज्ञान केन्द्र) स्थापित किए गए हैं।

(ख) कृषि विज्ञान केन्द्रों के मुख्य उद्देश्य कृषि और संबद्ध व्यवसायों में भाग लेने वाले किसानों, ग्रामीण युवकों और कृषि महिलाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिसमें, खेत पर प्रशिक्षण आयोजित करना, क्षेत्र स्तर पर विस्तार कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण का आयोजन और अग्रिम पंक्ति के प्रदर्शनों का आयोजन भी शामिल है। कुल 261 कृषि विज्ञान केन्द्र स्वीकृत/स्थापित किए गए हैं जिनमें कर्मचारियों की कुल संख्या 5500 है।

(ग) और (घ) जी, हां। प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र भा०कृ०अ० परिषद मुख्यालय को अपनी तिमाही और प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से भेजते हैं, जहां इनकी गहराई से समीक्षा होती है और उन पर अनुवर्ती कार्रवाई की जाती है।

इसके अलावा इन केन्द्रों के कार्यकलापों की समीक्षा के लिए प्रत्येक वर्ष राज्य स्तर पर कार्यशालाओं और क्षेत्रीय कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है।

(ङ) वर्ष 1980-81 से 1994-95 के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्रों ने कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में 1.04 लाख प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए हैं, जिससे लगभग 24.63 लाख किसानों, कृषि महिलाओं और ग्रामीण युवकों को लाभ पहुंचा है। इसके अलावा प्रत्येक वर्ष क्रमशः दालों और तिलहनों पर औसतन 2000 हैक्टर और 3000 हैक्टर के औसत क्षेत्रों पर अग्रिम पंक्ति के प्रदर्शन भी आयोजित किए जाते हैं जिनमें प्रतिवर्ष क्रमशः 5000 और 8000 कृषि परिवार भाग लेते हैं।

रेलगाड़ियों में वातानुकूलित थ्री-टियर डिब्बों का लगाया जाना

1410. **श्री राघवजी:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस समय कितनी गाड़ियों में वातानुकूलित थ्री-टियर डिब्बे लगाए जा रहे हैं;

(ख) क्या यह सच है कि सरकार की यह योजना है कि वातानुकूलित थ्री-टियर डिब्बे और अधिक गाड़ियों में लगाए जाएं; यदि हां, तो प्रतिवर्ष कितने नए वातानुकूलित थ्री-टियर डिब्बों के रेल-पथ पर आ जाने की संभावना है; और

(ग) वातानुकूलित थ्री-टियर डिब्बों को कहां से क्रय किया जा रहा है तथा प्रत्येक डिब्बे की लागत कितनी है एवं देश में प्रतिवर्ष कितने वातानुकूलित थ्री-टियर डिब्बों का निर्माण हो रहा है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) 9 जोड़ी राजधानी गाड़ियों सहित 39 जोड़ी गाड़ियां। (ख) और (ग) जी, हां 1995-96 के दौरान 90 सवारी डिब्बे निर्मित किए गए थे और 1996-97 के दौरान लगभग 80 सवारी डिब्बों का निर्माण किए जाने की संभावना है। ये सवारी डिब्बे रेल कोच फैक्टरी, कपूरथला द्वारा लगभग 60 लाख रु० प्रत्येक (1996-97 की लगात के आधार पर) की लागत पर निर्मित किए गए हैं।